Result Mitra Daily Magazine

रवांडा में मारबर्ग वायरस

✓ हालिया संदर्भ :

- पूर्वी अफ्रीकी देश "रवांडा" घातक मारबर्ग वायरस के प्रकोप से जूझ रहा है।
- रवांडा (Rwanda) में सितंबर महीने के अंत में मारबर्ग वायरस का पहला मामला सामने आया था, लेकिन अब तक लगभग 46 से अधिक व्यक्ति इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं, जबकि इस वायरस से संक्रमित व्यक्ति में से 12 लोगों की मौत हो चुकी है।
- 13 मिलियन की आबादी वाला रवांडा, जिसमें केवल 1500 डॉक्टर हैं, की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली काफी चरमरा गई है।
- रवांडा के मारबर्ग वायरस से अब तक संक्रमित कुल व्यक्ति का लगभग 80% संक्रमण चिकित्साकर्मियों का है।

✓ मारबर्ग वायरस क्या है ?

- मारबर्ग वायरस "फिलोविरिडे" परिवार का एक रक्त स्त्रावी बुखार वायरस है, जो मनुष्य के लिए ज्ञात सबसे घातक रोगजनकों में से एक है।
- "फिलोविरिडे" 'मारबर्ग वायरस' प्रजाति का एक सदस्य है, जो "मारबर्ग इबोला" की तरह फिलोवायरस परिवार से संबंधित है।

- मारबर्ग वायरस की मूल संरचना रॉड–आकार की होती है, जो mRNA का उत्पादन करता है।
- mRNA एक स्टेप–लूम जैसी संरचना का निर्माण करता है।
- स्टेप–लूम एकल RNA संरचना होती है, जिसमें कई RNA होती है तथा यह हेयर–पिन की तरह दिखाई देता है।
- अपनी उच्च मृत्यु दर 24 से 88% के कारण यह वाइरस जानलेवा माना जाता है।
- मारबर्ग वायरस एक संक्रामक रोग है, जो जानवरों से इंसानों में फैलकर एक इंसान से दूसरे इंसान को संक्रमित कर सकता है।
- इस वायरस का पता लगाने के लिए सर्वप्रथम इसका सैंपल लेकर उनकी सीक्वेंसिंग की जाती है, तत्पश्चात इसका "टिश्यू कल्चर" करके वायरस का पता लगाया जाता है।
- टिश्यु कल्चर यानि उत्तक संवर्धन वह क्रिया है, जिसमें कोशिकाएं किसी बाह्य माध्यम से उपयुक्त परिस्थितियों के विद्यमान रहने पर पोषित की जाती है।
- सर्वप्रथम मारबर्ग वायरस वर्ष 1967 में जर्मनी के मारबर्ग शहर में पाया गया था, जिसके नाम पर इस वायरस का नाम मारबर्ग वायरस रखा गया।

✓ मारबर्ग वायरस कैसे फैलता है ?

- अपने शुरुआती समय में मारबर्ग वायरस का संक्रमण रोसेटस चमगादड़ों (विशेष रूप से मिस्र के फल बागानों में रहने वाले चमगादड़ों) के लंबे समय तक संपर्क में रहने वाले इंसानों में होता था।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO, World Health Organisation) के अनुसार मारबर्ग वायरस का मानव से मानव संक्रमण सीधे संक्रमित लोगों के रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के संपर्क के माध्यम से होता है।
- जबकि अप्रत्यक्ष रूप से यह संक्रमित मानव के बिस्तर, कपड़े जैसी सामग्रियों के माध्यम से फैलता है।
- WHO के अनुसार, जब कोई स्वस्थ व्यक्ति संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आता है, तो उसके शरीर से निकलने वाले तरल वस्तु जैसे लार, मूत्र आदि सतहों या उसके द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्रियों को दूषित कर देता है, जिसके संपर्क में आने से स्वस्थ व्यक्ति संक्रमित हो जाता है।

Result Mitra

✓ मारबर्ग का वायरस के लक्षण :

- मारबर्ग वायरस से संक्रमित लोगों में लक्षणों की शुरुआत लगभग 2 से 21 दिनों के बीच आना शुरू हो जाता है।

लक्षण

- तेज बुखार
- गंभीर सिरदर्द
- मांसपेशियों में दर्द
- गंभीर पानी जैसा दस्त
- पेट में दर्द, ऐंठन और उल्टी
- रक्तस्रावी लक्षण जैसे पाचन तंत्र (मल और उल्टी के साथ रक्त आना), नाक, मसूड़ों एवं योनि से रक्त स्राव।

- रक्तस्राव के लक्षण वाले अधिकांश मरीजों की मारबर्ग वायरस से मृत्यु हो जाती है।

✓ मारबर्ग का वायरस का उपचार :

- वर्तमान समय में मारबर्ग वायरस से संक्रमित व्यक्तियों के लिए कोई अनुमोदिक टीके (Vaccine) या विशिष्ट उपचार नहीं है।
- हालांकि WHO के अनुसार, उचित देखभाल तरल पदार्थों के साथ पुनर्जलीकरण और विशिष्ट लक्षणों का उपचार कर संक्रमित की जान बचाई जा सकती है।
- अमेरिका स्थित सबिन वैक्सीन इंस्टीट्यूट ने रवांडा को अपने प्रायोगिक मारबर्ग वैक्सीन की 700 खुराकें प्रदान की है, जो अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य पेशेवरों को दी जाएगी।

Result Mitra

✓ रवांडा देश :

- रवांडा (Rwanda) मध्य–पूर्व अफ्रीका में स्थित एक देश है, जिसका कोई क्षेत्रफल लगभग 26 हजार वर्ग किलोमीटर है।
- रवांडा पृथ्वी के भूमध्य रेखा (Equator) के दक्षिण में स्थित है, जो महान अफ्रीकी झीलों के क्षेत्र का भाग है।
- इस देश के पश्चिम में पहाड़ियां और पूर्व में घास भूमि (Grassland) स्थित है।
- राजधानी–किगाली
- आजादी–1962

Result Mitra